S-267

Total Pages : 3 Roll No. .....

MASL-603

सिद्धान्तकौमुदी कारक एवं समास भाग-01

MA Sanskrit (MASL)

3rd Semester Examination, 2022 (Dec.)

Time : 2 Hours] **Max. Marks : 70**

नोट : यह प्रश्नपत्र सत्तर (70) अंकों का है जो दो (02) खण्डों क तथा ख में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है।

(खण्ड-क)

(दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए उन्नीस (19) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल दो (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं। (2×19=38)

1. सूत्रनिर्देशपूर्वक **'भवन्ति'** तथा **'पचति'** में से किसी एक रूप को सिद्ध कीजिए।

2. भज् **या** श्रु **धातु** के **लट्, लृट, लोट्, लङ्, विधिलिङ्** लकारों में रूप सिद्धि कीजिए।

3. **पच्** धातु की रूपसिद्धिपूर्वक व्याख्या कीजिए।

4. **अद् धातु** की सूत्रवृत्ति सहित व्याख्या कीजिए।

5. **'येनाङ्गंविकारः'** सूत्र की वृत्ति लिखते हुए सोदाहरण व्याख्या कीजिए।

अथवा

सप्तयधिकरणे सूत्र की व्याख्या कीजिए।

(खण्ड-ख)

(लघु उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए आठ (08) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल चार (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं। (4×8=32)

1. प्रथमा विभक्ति कहाँ-कहाँ होगी? स्पष्ट करते हुए सूत्र भी लिखिए।

2. **अभितः परितः.....** सूत्र पूर्ण कर विभक्ति निर्देश करते हुए एक-एक वाक्य लिखिए।

3. **अस् धात** के **लट्** तथा **लोट्** लकारों के रूप लिखिए।

4. **नमः स्वास्ति.....** सूत्र पूर्णकर वाक्य प्रयोग कीजिए।

5. **भू** धातू के **लृट्** तथा **लङ्** लकारों में रूप लिखिए।

6. टिप्पणी लिखिए- **अकथितं च।**

7. **गच्छामः** और **गच्छाम** में अन्तर स्पष्ट कर लकार निर्देश कीजिए।

8. **'चौराद् भयम्'** इस कथन में विभक्ति तथा सूत्र बताकर स्पष्ट कीजिए।